Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

15 जुलाई 2026

वर्ष - 04, अंक - 11 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

संतो का महासंगम : संतों क महाकभ से गुंजायमान हुई नीमच की लाल माटी

राष्ट्र निमार्ण और संस्कृति की रक्षा क लिए समाज में आध्यात्मिक चेतना का जागरण अनिवार्य : श्री कैलाशानन्दगिरीजी महाराज

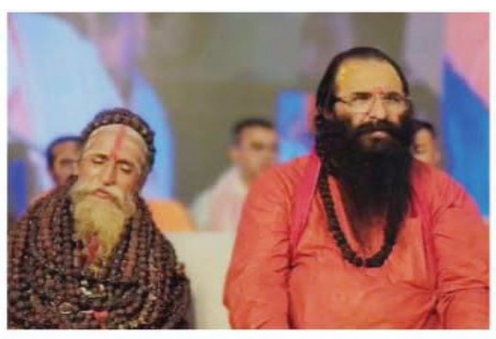

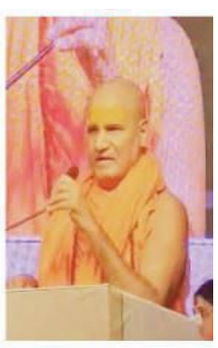

जनसुनवाई अब महज औपचारिकता बन कर रह गई...

अलग अलग तरीके अपनाने को मजबूर हो रहे शिकायकर्ता

ऐश्वर्य शर्मा (पवन)
मो. 8770664866

कोई लोट लगा रहा है तो कभी कोई हेलीकॉप्टर की माला तो कोई कागजों की माला... बस अब तो हर मंगलवार ऐसे ही सीन कलेक्टर कार्यालय में देखने को मिल रहे है! शिकायतकर्ता जनसुनवाई में अपनी अपनी अर्जी लेकर साहब के दरबार पहुंचते है, अपनी पीड़ा सुनाते है। समस्या सुनी जाती है, साहब भी नियमानुसार अपने स्तर से नीचे वालों को समस्या का निवारण करने का आदेश दे देते है! उसके बाद भी लोगों की समस्याएं जस की तस रहती है, मजबूर होकर किसी को कोई लोट लगा रहा है तो कोई माला पहन कर अपनी पीड़ा सुनाने पहुंच रहा है है!

बस यही चक्र सालों से चला आ रहा है। उनका स्थायी समाधान निकल ही नही पाता तो परेशान होकर मजबूर होकर लोग भी ऐसे प्रदर्शन कर अपनी बात बताने पर मजबूर हो जाते है, आखिर वे शिकायती पुलिंदों की मालाएं क्यों ना पहने या लोटन क्यों ना करें!

हर बार जनसुनवाई बस लोगों की भीड़ कम होने का नाम ही नही ले रही है। ग्राम पंचायत, राजस्व, सहित कई जनता से सीधे जुड़े विभागों के सर्वाधिक मामले आते है। जब ये लोग अपनी व्यथा लेकर संबंधित विभागों के चक्कर लगा लगा कर थक जाते हैं और कोई सुनवाई नही होती है तो जनसुवाई में समस्या का हल निकलेगा इस आशा में साहब के दरबार में अपनी पीड़ा लेकर जाते है... लेकिन समस्या साहब के यहां से फिर से उन्ही अधिकारियों कर्मचारियों के पास घूम फिर कर पहुंच जाती है... और वो अधिकारी कर्मचारी उस शिकायत को हवा में उड़ा देते हैं।

बस वास्तविकता में यही चलता रहता है अधिकांश मामलों में और जनता बस ऐसे ही हैरान और परेशान रहती है, उनके लिए यह जनसुनवाई भी महज औपचारिकता बन कर राह जाती है।

सिंहस्थ 2028 का आगाज : मिनी सिंहस्थ के रूप में दर्ज हुआ सनातन राष्ट्र धर्मसभा का वैभव

नीमच 11 जुलाई (निप्र)। सीमावर्ती राजस्थान की सीमाओं को छूती मध्य प्रदेश के अंतिम छोर की वीर और लाल माटी की नगरी नीमच शनिवार को एक ऐसे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक उत्सव की साक्षी बनी, जिसे आने बाले दशकों तक याद रखा जाएगा।

मौका था राष्ट्र उत्थान, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और विश्व शांति के महासंकल्प के साथ आयोजित 'विराट सनातन राष्ट्र धर्मसमा एवं संत समागम' का। अटल बिहारी वाजपेयी सभागार और समूचा नीमच शहर मानो 'हर हर महादेव' और 'जय श्री राम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। समस्त सनातन समाज, धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित इस एक दिवसीय महाकुंभ में आस्था का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि पूरा क्षेत्र भगवामय नजर आया।

विशिष्ट हस्तियों और राजनेताओं का जमावड़ा इस भव्य आयोजन में राजनीति, समाजसेवा और मनोरंजन जगत की दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की। मेघालय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रिकमन जी मोमिन, चित्तौडगढ़ सांसद सी.पी. जोशी, राजस्थान के पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, पूर्व मंत्री कैलाश चावला, समाजसेवी अशोक अरोरा सहित बॉलीवुड फिल्म अभिनेता रजत बेदी भी संतों का आशीर्वाद लेने पहुंचे। धर्मसभा के प्रारंभ में श्रीमती रेणु संतोष चोपड़ा और स्वाती चोपड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच का सफल और शानदार संयुक्त संचालन अजय कासलीवाल एवं सुनील पटेल ने किया।

कृतज्ञता और आभार कार्यक्रम के समापन पर वरिष्ठ समाजसेवी संतोष चोपड़ा ने सभी संतों, राजनेताओं और जनसैलाब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन महज एक धार्मिक जलसा नहीं था, बल्कि नीमच के इतिहास में सामाजिक सकारात्मकता, सांस्कृतिक जागरण और आध्यात्मिक उन्नयन का एक मील का पत्थर साबित होगा।

राम नाम और शिव भक्ति की बही बयार : स्वामी कैलाशानन्दगिरी जी महाराज

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण और सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक, दक्षिण काली पीठ हरिद्वार एवं निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेबर स्वामी श्री कैलाशानन्दगिरी जी महाराज का दिव्य सानिध्य नीमच वासियों को प्राप्त हुआ। अपने ओजस्वी और प्रेरणादायी उद्बोधन में स्वामी जी ने राम नाम की महिमा का बखान करते हुए कहाः 'राम नाम की अद्भुत महिमा है। यह वह पावन नाम है जो हमें भवसागर से तार देता है। धर्म, संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के लिए समाज माज में आध्यात्मिक चेतना का जागरण अनिवार्य है।' स्वामी जी ने भक्तों को सीख देते हुए कहा कि जो व्यक्ति प्रभु सेवा में धन अर्पित करता है और समर्पित भाव रखता है, वह ईबर का प्रिय होता है। उन्होंने विशेष रूप से महादेव के भक्तों को उनका मित्र बताते हुए कहा कि कठिन समय में चाणक्य नीति के अनुसार एकांत और मौन साधना से आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। श्रवण मास की महिमा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बिल्वपत्र पर राम नाम लिखकर शिव को अर्पित करने का विशेष आह्वान किया।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं।

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री

मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्क रहने का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संयमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। निस्संदेह भारत अब विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का प्रतीक है। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए ह्यहॉर्ड बॉल ऑपरेशनह्ल में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

डीकेन में फूटा व्यापारियों का गुस्सा : सांवरिया कंस्ट्रक्शन पर लापरवाही के आरोप, सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

डीकेन। नगर के मुख्य बाजार में सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी और कथित लापरवाही को लेकर सोमवार को व्यापारियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। समस्त व्यापारियों एवं दुकानदारों ने एकजुट होकर नगर परिषद अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम सामूहिक ज्ञापन सौंपते हुए निर्माण एजेंसी सांवरिया कंस्ट्रक्शन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू नहीं कराया गया तो वे लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि निर्माण एजेंसी ने मुख्य बाजार की सड़क को कई दिन पहले पूरी तरह खोद दिया, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। इससे बाजार की सड़क उबड़-खाबड़ स्थिति में पड़ी है और प्रतिदिन हजारों राहगीरों, वाहन चालकों, महिलाओं, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि सड़क पर गिट्टी और पत्थर फैले होने से धूल का गुबार उड़ रहा है, जिससे दुकानों में रखा सामान प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों और ग्राहकों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। कई बार वाहनों से उछलकर पत्थर दुकानों तक पहुंच रहे हैं। इसी दौरान एक दुकान का कांच टूटने से व्यापारी को आर्थिक नुकसान भी उठाना

पड़ा। व्यापारियों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण बाजार में ग्राहकों की संख्या लगातार घट रही है। बाहरी क्षेत्रों से आने वाले लोग बाजार आने से बच रहे हैं, जिससे छोटे और मध्यम व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। कई व्यापारियों ने पिछले दिनों बिक्री में भारी गिरावट आने की बात भी कही।

ज्ञापन में सवाल उठाया गया कि यदि निर्माण कार्य तत्काल शुरू नहीं करना था तो सड़क को पहले ही क्यों खोदा गया। व्यापारियों ने इसे बिना योजना के किया गया कार्य बताते हुए प्रशासन और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। व्यापारियों ने मांग की कि सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। साथ ही निर्माण कार्य में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं सांवरिया कंस्ट्रक्शन की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्माण पूरा होने तक नियमित पानी का छिड़काव, सुरक्षा संकेतक, बैरिकेडिंग और दुर्घटनाओं से बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम करने की भी मांग की।

व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि विकास कार्य समयबद्ध, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से पूरे हों ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार, एसडीएम एवं निर्माण एजेंसी सावलिया कंस्ट्रक्शन को भी सौंपी गई है। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे जनहित में चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और निर्माण एजेंसी की होगी।

मंदसौर में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, एमडी और डोडाचूरा बरामद : सांवलिया गौशाला के पास पकड़ा

मंदसौर। जिले की दलौदा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक युवक को 20 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) और 2 किलोग्राम पिसे हुए डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ कर ड्रग्स नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप डांगी के नेतृत्व में टीम ने मंगलवार को यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर दलौदा-मल्हू-नीमच हाईवे स्थित सांवलिया गौशाला के पास घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा गया।

मोबाइल फोन भी बरामद - पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान फिरोज (22) पिता अब्दुल रहमान, निवासी अभिनंदन कॉलोनी, पद्मावती रिसोर्ट के पास, मंदसौर के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 20 ग्राम एमडी और पीठ पर टंगे बैग से 2 किलोग्राम पिसा हुआ डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

आरोपी फिरोज के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 और 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले भी विभिन्न धाराओं में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप डांगी ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उससे यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि वह मादक पदार्थ कहां से लाया था और किसे सप्लाई करने वाला था। पुलिस पूरे ड्रग्स नेटवर्क की गहनता से जांच कर रही है।

अतिक्रमण पर नगर पालिका का शिकंजा : दुकानों के बाहर सामान रखने पर चालानी कार्रवाई के निर्देश, जर्जर भवन मालिक को 3 दिन का नोटिस

नीमच। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर पालिका ने सोमवार को विशेष अभियान चलाते हुए सड़क और फुटपाथ पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में फ्रूट मंडी चौराहे से फव्वारा चौक तक निरीक्षण कर दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया गया तथा व्यापारियों को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। अभियान के दौरान सीएमओ ने स्पष्ट कहा कि सभी दुकानदार अपनी निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यापार करें। यदि दोबारा किसी दुकान के बाहर सामान रखा मिला तो बिना किसी चेतावनी के सीधे चालानी कार्रवाई की जाएगी। टीम ने मौके पर कई दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाकर अतिक्रमण मुक्त कराया। निरीक्षण के दौरान फव्वारा चौक स्थित सुरेश मोदी की दुकान के ऊपर बनी एक जर्जर भवन भी नगर पालिका के निशाने पर आ गई। भवन की खराब स्थिति को देखते हुए सीएमओ ने भवन मालिक को तीन दिन के भीतर आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए। चेतावनी दी गई कि निर्धारित समय में मरम्मत नहीं कराने या लापरवाही बरतने पर नगर पालिका नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करेगी।नगर पालिका ने स्पष्ट किया कि शहर की सड़कों और फुटपाथों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

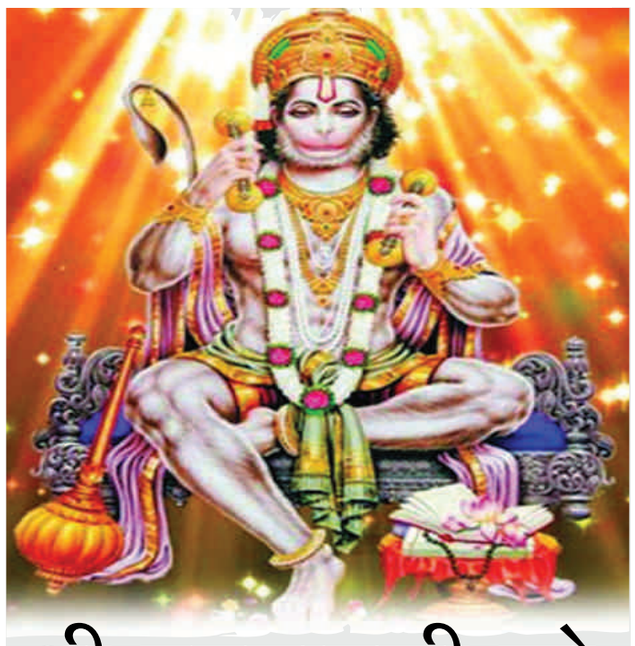

श्री हनुमानजी को खुश करने के शुभ उपाय

हनुमानजी की पूजा मंगलवार, त्रयोदशी, चतुर्दशी और खास दिनों होती है। हिन्दू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमत्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसरना शुरू होती है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है। आओ जानते हैं कि उन्हें किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

- हनुमान चालीसा : प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढें। वह भी एक ही जगह बैठकर।
- तीन कोनों वाला दीपक : प्रतिदिन हनुमानजी के समक्ष तीन कोनों वाला दीपक जलाएं। दीपक में चमेली का तेल हो।
- चौला चढ़ाएं : जब भी इच्छा हो हनुमानजी को चौला चढ़ाएं। इसमें जनेऊ, लंगोट, सिंदूर, तुलसी की माला, ध्वज, चमेली का तेल, लाल फूल आदि सामग्री होती है।
- हनुमानजी का जाप करें : ॐ श्री हनुमंते नमः का प्रतिदिन 108 बार जाप करें या साबरमंत्र को सिद्ध करें।
- श्रीराम का जाप करें : प्रतिदिन श्रीराम जी के नाम का विधिवत जाप करें।
- सुंदरकाण्ड पढ़ें : माह में एक बार सुंदरकांड और बजरंगबाण का पाठ करें।
- भोग लगाएं : हनुमानजी को मंगलवार, शनिवार या हनुमान जयंती पर पंच मेवा, केसरिया बूंदी लड्डू, इमरती, बेसन के लड्डू, चूरमा, रोठ, मालपुआ या मलाई-मिश्री के लड्डू का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा : प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखकर विधिवत रूप से हनुमानजी की पूजा करें। यदि आप घोर संकट से घिरे हैं या आप हनुमानजी की पूर्ण भक्ति करना चाहते हैं तो फिर आपको मांस, मदिरा और सभी तरह का व्यवसन त्याग कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा या उनके मंत्र या नाम का जप करना चाहिए। हनुमानजी के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी माता की भी पूजा अच्छे से करें।
- पान का बीड़ा : अपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- गुड़-चने का प्रसाद : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।

छोटी-छोटी काली चींटियां किस्मत के बड़े बड़े दरवाजे खोल देती हैं

हर घर में कई बार थोड़ी-बहुत चींटियां दिखाई पड़ती हैं। कुछ लाल तो कुछ काली नजर आती ही है। ये चींटियां खासकर खाने के सामान के इर्द-गिर्द अधिक दिखाई पड़ती हैं। आपको बता दें कि घर में लाल चींटी और काली चींटी अलग-अलग बातों का संकेत देती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास जानकारी, जिसमें आप जानेंगे कि छोटी-छोटी दिखाई देने वाली काली चींटियां कैसे आपकी किस्मत के बड़े-बड़े दरवाजे खोल सकती हैं।

- अगर आपके घर में काली चींटियां आ रही हैं तो सुख और ऐश्वर्य वाला समय आने के संकेत देती हैं।
- काली चींटियों को शकर या आटा खिलाना शुभ होता है। इससे पितृ देव प्रसन्न होते हैं।
- अगर चावल के भरे बर्तन से चींटियां निकल रही हैं तो यह शुभ संकेत है। कुछ ही दिनों में धन वृद्धि हो सकती है। यह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होने का संकेत है।
- वास्तु की मानें तो काली चींटियों में भगवान श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। अतः घर में काली चींटियां निकलना एक तरह जीवन में खुशहाली तथा सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत माना जाता है।
- पूर्व दिशा से चींटियां आ रही हैं तो सकारात्मक सूचना आपके घर आ सकती है।
- पश्चिम दिशा से चींटियां आ रही हैं तो यात्रा के योग बन सकते हैं।
- काली चींटियां उत्तर दिशा से आती हैं तो धन के लिहाज से शुभ संकेत होते हैं।
- दक्षिण दिशा से आ रही हों तो मंगलकारी सूचना मिल सकती है।
- घर में रखें हुए गोल्ड की चीजों के आसपास यदि काली चींटियां निकलते दिखे तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है, इसका अर्थ आपको नए आभूषण प्राप्त होने का संकेत समझा जाता है।
- काली चींटियां भौतिक सुख वाली चीजों के लिए शुभ मानी जाती है।

वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है

हिन्दू धर्म में ब्रह्मांड और समय को लेकर जो वृहत्तर धारणा है इसी के आधार पर पौराणिक इतिहास को प्रतिष्ठित और अनुष्ठानों को संपन्न किए जाने का क्रम प्रचलित रहा है। आओ पढ़ते हैं एक विशेष लेख को जिसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है।

वैदिक ऋषि मण्डल के अनुसार वर्तमान सृष्टि पंच मण्डल क्रम वाली है। यह है- 1. चन्द्र मंडल, 2.पृथ्वी मंडल, 3.सूर्य मंडल, 4.परमेष्ठी मंडल और 5.स्वायम्भू मंडल। ये उत्तरोत्तर यानि एक के बाद दूसरे मण्डल का चक्कर लगा रहे हैं। जैसे चन्द्र पृथ्वी के, पृथ्वी सूर्य के, सूर्य परमेष्ठी के, परमेष्ठी स्वायम्भू की परिक्रमा करते हैं।

- चन्द्र द्वारा पृथ्वी की एक परिक्रमा- एक मास।
- पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा- एक वर्ष।
- सूर्य की परमेष्ठी (आकाश गंगा) की एक परिक्रमा- एक मन्वन्तर।
- परमेष्ठी (आकाश गंगा) की स्वायम्भू (ब्रह्मलोक) की एक परिक्रमा- एक कल्प।
- स्वायम्भू मंडल ही ब्रह्मलोक है। स्वायम्भू का अर्थ स्वयं (भू) प्रकट होने वाला। यही ब्रह्माण्ड का उद्गम स्थल या केंद्र बिंदु माना जाता है।

अभी हम ''ब्रह्मा के 51वें वर्ष के 1 (पहले) दिन के 7वें मन्वन्तर के 28वें महायुग के चौथे युग (कलियुग)'' में मौजूद हैं।

हमारे पूर्वजों ने जहां खगोलीय गति के आधार पर काल का मापन किया, वहीं काल की अनंत यात्रा और वर्तमान समय तक उसे जोड़ना तथा समाज में सर्वसामान्य व्यक्ति को इसका ध्यान रहे इस हेतु एक अद्भुत व्यवस्था भी की थी, जिसकी ओर साधारणतया हमारा ध्यान नहीं जाता है।

हमारे यहां में कोई भी कार्य होता हो चाहे वह भूमिपूजन हो, वास्तुनिर्माण का प्रारंभ हो, गृहप्रवेश हो, जन्म, विवाह या कोई भी अन्य मांगलिक कार्य हो, वह करने के पहले कुछ पूजन संस्कार विधि करते हैं। उसमें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है। यह संकल्प मंत्र यानी अनंतकाल से आज तक की समय और स्थान की स्थिति बताने वाला मंत्र है। इस दृष्टि से इस मंत्र के अर्थ पर हम ध्यान देंगे तो बात स्पष्ट हो जाएगी।-

संकल्प मंत्र में कहते हैं.

ऊँ अस्य श्री विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राहृणां द्वितीये परार्धे।

अर्थात : महाविष्णु द्वारा प्रवर्तित अनंत कालचक्र में वर्तमान ब्रह्मा की आयु का द्वितीय परार्ध। वर्तमान ब्रह्मा की आयु के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। श्वेत वाराह कल्पे कल्प यानि ब्रह्मा के 51वें वर्ष का पहला दिन है।

श्री वैवस्वतमन्वंतरे- अर्थात ब्रह्मा के दिन में 14 मन्वंतर होते हैं। उसमें सातवां मन्वंतर वैवस्वत मन्वंतर चल रहा है।

अष्टाविंशतितमे कलियुगे- एक मन्वंतर में 71 चतुर्युगी होती हैं, उनमें से 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है।

कलियुगे कलि प्रथमचरणे- कलियुग का प्रारंभिक समय है।

कलिसंवते या युगाब्दे- कलिसंवत या युगाब्द वर्तमान में 5104 चल रहा है।

जम्बु द्वीपे, ब्रह्मावर्त देशे, भरत खंडे- देश प्रदेश का नाम

अमुक स्थाने- कार्य का स्थान

अमुक संवत्सरे- संवत्सर का नाम

अमुक अयने- उत्तरायन/दक्षिणायन

अमुक ऋतौ- वसंत आदि छह ऋतु हैं

अमुक मासे- चैत्र आदि 12 मास हैं

अमुक पक्षे- पक्ष का नाम (शुक्ल या कृष्ण पक्ष)

अमुक तिथौ- तिथि का नाम

अमुक वासरे- दिन का नाम

अमुक समये- दिन में कौन सा समय

उपरोक्त में अमुक के स्थान पर क्रमशः नाम बोलने पड़ते हैं। जैसे अमुक स्थाने में जिस स्थान पर अनुष्ठान किया जा रहा है उसका नाम बोल जाता है। उदहारण के लिए मालव मण्डले (स्थाने), शरद ऋतौ आदि।

इस तरह अमुक व्यक्ति- अपना नाम, फिर पिता का नाम, गोत्र तथा किस उद्देश्य से कौनसा काम कर रहा है, यह बोलकर संकल्प करता है। इस प्रकार जिस समय संकल्प करता है, सृष्टि आरंभ से उस समय तक का स्मरण सहज व्यवहार में भारतीय पद्धति में इस व्यवस्था के द्वारा आया है।

दोष नहीं है मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली

भले ही कुछ लोग मांगलिक होने को लेकर बड़ा हव्वा बनाते हों लेकिन शास्त्रों के अनुसार मांगलिक होना कोई चिंता की वजह नहीं है। यदि आपके पुत्र या पुत्री की कुंडली मांगलिक है, तो घबराएं नहीं, शास्त्रों में मंगल दोष दूर करने के उपाय लिखित में उपलब्ध हैं। मांगलिक विचार का निर्णय बारीकी से किया जाना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में मांगलिक दोष निवारण के तरीके उपलब्ध हैं। शास्त्र वचनों के जिस श्लोक के आधार पर जहां कोई कुंडली मांगलिक बनती है, वहीं उस श्लोक की परिहार (काट) के कई प्रमाण हैं। ज्योतिष और व्याकरण का सिद्धांत है कि पूर्ववर्ती कारिका से परवर्ती कारिका (बाद वाली) बलवान होती है। दोष के सम्बंध में परवर्ती कारिका ही परिहार है। इसलिए मांगलिक दोष का परिहार मिलता हो तो जरूर विवाह का फैसला किया जाना चाहिए। परिहार नहीं मिलने पर भी यदि मांगलिक कन्या का विवाह गैर मांगलिक वर से करना हो तो शास्त्रों में विवाह से पूर्व घट विवाह का प्रावधान है। मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। यह दोष नहीं है बल्कि इसी मंगल के प्रभाव से जातक कर्मठ, प्रभावशाली, धैर्यवान तथा सम्मानीय बनता है।

घट विवाह है प्रभावी उपाय

कन्या की कुंडली में मांगलिक दोष का परिहार नहीं हो रहा हो तो उपाय के रुप में कन्या का प्रथम विवाह/सात फेरे किसी घट (घड़े) या वृक्ष के साथ कराए जाने का विधान है। इस प्रकार के उपाय के पीछे तर्क यह है कि मंगली दोष का मारक प्रभाव उस घट या वृक्ष पर होता है, जिससे कन्या का प्रथम विवाह किया जाता है। वर दूसरा पति होने के कारण उस प्रभाव से सुरक्षित रह पाता है। घट विवाह शुभ विवाह मुहूर्त्त और शुभ लग्न में पुरोहित द्वारा सम्पन्न कराया जाना चाहिए। कन्या का पिता पूर्वाभिमुख बैठकर अपने दाहिने तरफ कन्या को बिठाएं। कन्या का पिता घट विवाह का संकल्प ले। नवग्रह, गौरी गणेशादि का पूजन, शांतिपाठ इत्यादि करे। घट की षोडषोपचार से पूजा करें। शाखोच्चार, हवन, सात फेरे और विवाह की अन्य रस्म निभाएं। बाद में कन्या घट को उठाकर हृदय से सटाकर भूमि पर छोड़ दे जिससे घट फूट जाए। इसके बाद देवताओं का विसर्जन करें और ब्राह्मण को दक्षिणा दें। बाद में चिरंजीवी वर से कन्या का विवाह करें।

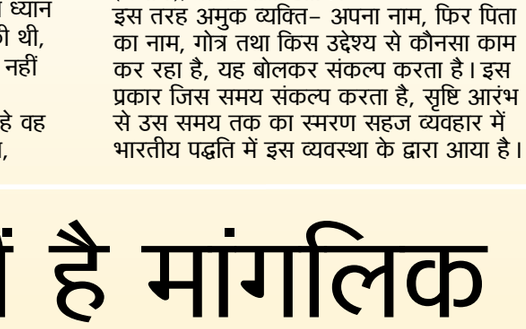

क्यों हो रहा है विवाह में विलंब

विवाह में विलंब होने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक कारण कुंडली के ग्रहों को भी माना जाता है। कहते हैं कि जीवन में विवाह के योग बनते हैं परंतु जब वे किसी कारणवश टल जाते हैं तो फिर दूसरी बार योग **बनने में समय लगता है। आओ जानते हैं कि विवाह के** योग कब कब बनते हैं।

विवाह के योग : ज्योतिष मान्यता के अनुसार विवाह के योग उम्र के 27, 29, 31, 33, 35 व 37वें वर्ष में बनते कर दिया जाता था। लड़की की कुंडली में गुरु और पुरुष की कुंडली में शुक्र बनाता है विवाह के योग।

कैसे होता है विवाह में विलंब

- कई बार व्यक्ति विवाह करने से यूं ही इनकार कर देता है कि अभी नहीं करना विवाह। कई बार **अच्छे रिश्ते के चक्कर में योग भी को टाल दिया** जाता है। ऐसे भी होता है कि करियर के चक्कर में भी वह विवाह नहीं करता है।
- ज्योतिष मानता है कि मांगलिक होना, पितृदोष होना या काल सर्पदोष होना भी विवाह में विलंब का एक कारण है।
- कहते हैं कि जब सूर्य, मंगल या बुध लग्न या लग्न के स्वामी पर दृष्टि डालते हों और गुरु 12वें भाव में बैठा हो तो भी विवाह में देरी होती है।
- प्रथम या चतुर्थ भाव में मंगल हो और सप्तम भाव में शनि हो तो व्यक्ति की विवाह के प्रति उदासीनता के भाव रहते हैं।
- प्रथम भाव, सप्तम भाव में और बारहवें भाव में गुरु या शुभ ग्रह योग कारक न हो और चंद्रमा कमजोर हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम भाव में शनि और गुरु की युति तो शादी देर से होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि दोनों में से कोई एक ग्रह हो तो भी विवाह में अड़चन आती है।
- **सप्तम भाव में बुध और शुक्र** की युति हो तो भी **विवाह तय होने में काफी** अड़चने आती रहती है, **जिसके चलते विवाह में विलंब** हो जाता है।
- **चंद्र की राशि कर्क से गुरु** सप्तम हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- **सप्तम में त्रिक भाव का स्वामी** हो, कोई शुभ ग्रह **योगकारक नहीं हो तो विवाह** में बाधाएं आती हैं या विवाह देर से होता है।
- **यदि गुरु कमजोर या नीच** का होकर बैठा हो, शत्रु **भाव में या शत्रुओं के साथ बैठा हो तब भी विवाह** में अड़चने आती हैं।

जल्दी शादी करके के उपाय

- मंगल दोष है तो उसका उज्जैन के मंगलनाथ में उपाय करें। कुंभ विवाह करें।
- पितृदोष या कालसर्पदोष हैं तो उसका नासिक का त्र्यंबकेश्वर में जाकर उपाय करें।
- सप्तम भाव का दोष है तो उपके उपाय करना चाहिए।
- **लड़कों को शुक्र के उपाय करना चाहिए और** लड़कियों को गुरु के उपाय करना चाहिए।
- शनिवार को पीपल की पूजा करें।
- गुरुवार को केले के युगल जोड़ों की पूजा करें।
- ग्यारह शुक्रवार को माता पार्वती या दुर्गाजी के मंदिर में श्रीफल व चुनरी को अर्पित करें।
- पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की 108 परिक्रमा करें।
- गाय को घी की रोटी में गुड़ लपेटकर **खिलाएं और हल्दी के पानी में आलू को** उबालकर उसे ठंडा करके गाय को खिलाएं।
- गुरुवार और शुक्रवार को व्रत करें।
- अपने माथे पर केसर, हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं।
- शुक्रवार के दिन दही स्नान करें, फिटकरी का कुल्ला करके सोएं।

कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में मदद करते हैं ये शुभ चिन्ह

इस त्योहार यदि आपको अपने घर में खुशियों का आगमन चाहिए, तो आपको हमारे शास्त्रों में बताए गए कुछ शुभ चिन्हों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। ये ऐसे चिन्ह हैं जिन्हें यदि आपने घर के मुख्य द्वार पर लगा लिया, तो आपके घर में खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकेगा।

हमारे शास्त्रों में ऐसे कई चिन्हों का वर्णन किया गया है जिन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह चिन्ह घर आने वाली कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में हमारी मदद करते हैं। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ चिन्हों के बारे में, जिन्हें आपको अपने द्वार पर लगाना चाहिए।

स्वस्तिक

मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने से हमारे आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

शुभ-लाभ

शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी प्रथम पूज्य देवता हैं और शुभ व लाभ को उनका पुत्र माना गया है। इसीलिए शुभ-लाभ लिखना धनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। स्वस्तिक के साथ जब सिन्दूर से शुभ-लाभ लिखा जाता है, तब घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

श्रीगणेशजी

घर के मुख्य द्वार पर गणेशजी का चित्र लगाने से गणेशजी की कृपा बनी रहती है और धनधान्य की कमी नहीं होती।

पंचमुखी हनुमान

यदि आपका मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है, तो दरवाजे पर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र लगाकर शुभता बढ़ाई जा सकती है।

चूड़ियां पहनकर, खाद के खाली बोरे लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान:सिंगोली में वितरण केंद्र खोलने की मांग, बोले- 80 किमी दूर जावद जाना पड़ रहा

नीमच। जिले की सिंगोली तहसील में डीएपी खाद की भारी किल्लत और वितरण की खराब व्यवस्था को लेकर मंगलवार को किसानों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। किसान नेता पंकज तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान हाथों में चूड़ियां पहनकर और कंधों पर खाद के खाली बोरे (कट्टे) लटकाकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

किसानों ने अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय के बाहर कुछ देर धरना दिया और इसके बाद कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों का कहना है कि हाथों में चूड़ियां पहनना और खाली कट्टे लटकाना उनकी बेबसी और प्रशासन की उदासीनता को दिखाता है। उन्होंने मांग की है कि सिंगोली कृषि उपमंडी में तुरंत 'मार्कफेड' का नगद डीएपी खाद वितरण केंद्र शुरू किया जाए।

खाद के लिए 80 किलोमीटर दूर जावद जाने की मजबूरी – किसानों ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था के कारण उन्हें डीएपी खाद लेने के लिए करीब 80 किलोमीटर दूर जावद जाना पड़ता है। वहां भी प्रक्रिया इतनी लंबी है कि पहले ई-टोकन के लिए लाइन में लगना पड़ता है, फिर नगद भुगतान के बाद खाद मिलती है। इस पूरे चक्कर में किसानों का पूरा दिन बर्बाद हो जाता है और आने-जाने का अतिरिक्त पैसा भी खर्च होता है। इस अव्यवस्था का सबसे बुरा असर छोटे किसानों और महिला किसानों पर पड़ रहा है।

मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी – किसानों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि सिंगोली कृषि उपमंडी या स्थानीय पैक्स (PAXS) समिति में ही नगद डीएपी और अन्य जरूरी खादों के वितरण की व्यवस्था की जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि इस समस्या का जल्द ही कोई पक्का समाधान नहीं निकाला गया, तो वे आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

दीवार में सेंध, शोरूम में आराम से बिस्कुट खाए... फिर बदली नई शर्ट और ले उड़ा डेढ़ लाख कैश, नीमच में सनसनीखेज चोरी

नीमच। शहर के कैंट थाना क्षेत्र स्थित गांधी भवन के सामने संचालित 'फैशन क्लीनिक्स' कपड़ा शोरूम में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात बेहद शातिर अंदाज में चोरी की वारदात सामने आई। चोर ने पास की निर्माणाधीन बिल्डिंग का सहारा लेकर शोरूम की चौथी मंजिल की दीवार में करीब 2×2 फीट का छेद किया और उसी रास्ते अंदर घुस गया। इसके बाद उसने गल्ले में रखे करीब 1.50 लाख रुपये नकद और पूजा में उपयोग होने वाले चांदी के सिक्के चोरी कर लिए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। दुकान संचालक शिव माहेश्वरी ने बताया कि सोमवार सुबह जब शोरूम खोला गया तो काउंटर का गल्ला खुला मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर निर्माणाधीन भवन से होते हुए ऊपर पहुंचा और दीवार में सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उसने गल्ले में रखी 500 और 200 रुपये के नोटों के साथ 10-10 रुपये की गड्डियां भी समेट लीं। चोरी गई नकदी की कुल राशि करीब डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। इस वारदात का सबसे चौंकाने वाला पहलू सीसीटीवी फुटेज में सामने आया। फुटेज के अनुसार चोर चोरी करने की कोई जल्दबाजी में नहीं था। वह पहले दुकान में रखे बिस्कुट खाता नजर आया, फिर शोरूम में टंगी नई शर्ट पहनकर आराम से चोरी करता रहा। वारदात को अंजाम देने के बाद वह उसी रास्ते से फरार हो गया। प्रारंभिक फुटेज में केवल एक ही आरोपी दिखाई दे रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी किरण चौहान, कैंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अगले 24 घंटे के लिए मौसम रहेगा खुशनुमा

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून के पीक सीजन में वर्षा पर पूरी तरह से ब्रेक लग गया है। पिछले दो दिनों से पूरे प्रदेश में कहीं भी बारिश की एक बूंद तक नहीं गिरी है। जानकारी के अनुसार राज्य में आखिरी बार अच्छी बारिश 11 जुलाई को उत्तर-पूर्वी इलाकों में हुई थी। इसके बाद 12 जुलाई को केवल बूंदाबांदी दर्ज की गई, जबकि 13 और 14 जुलाई को पूरा प्रदेश सूखा रहा। बारिश न होने से 1 जून से 14 जुलाई तक का औसत वर्षा का ग्राफ गिरकर 7 प्रतिशत कम पर आ गया है। सबसे खराब स्थिति पूर्वी मध्य प्रदेश की है, जहां औसत से 21 फीसद कम वर्षा होने के कारण सूखे जैसे हालात बन गए हैं। वहीं पश्चिमी इलाकों में औसत से 6 प्रतिशत वर्षा अधिक है, लेकिन पानी न गिरने से यह ग्राफ भी तेजी से नीचे खिसक रहा है। बारिश न होने से प्रदेश के दिन और रात के तापमान में मंगलवार को बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राजधानी भोपाल का पारा सोमवार को 32.8 डिग्री था, जो मंगलवार को 1.9 डिग्री बढ़कर 33.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं ग्वालियर में पारा धीरे-धीरे 40 डिग्री के करीब पहुंच रहा है, मंगलवार को यहां तापमान 37.4 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है। जबलपुर में 2.7 डिग्री के उछाल के साथ तापमान 34.6 डिग्री और इंदौर में 2.2 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पीड़ितों का प्रदर्शन : शिकायत करने लोट लगाते पहुंचे, सरकार पर लापरवाही का आरोप

नीमच । जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में प्रशासनिक लापरवाही और सिस्टम की बेरुखी से परेशान जनता का आक्रोश देखने को मिला। अपनी मांगों को लेकर कई लोग रोते-बिलखते और जमीन पर लोटते हुए अधिकारियों के पास पहुंचे, जिससे कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में गहमागहमी का माहौल बन गया।

जावद तहसील के ग्राम लासूर धामनिया की एक महिला ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि मुकेश बारेट नामक व्यक्ति ने अपनी पहली शादी छिपाकर उससे कोर्ट मैरिज की। अब वह उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया है, जिसके कारण महिला मंदिर में रहने को मजबूर है। महिला ने आरोप लगाया कि सरवानिया पुलिस चौकी में उसकी सुनवाई नहीं हुई। इसी तरह, चीताखेड़ा की रहने वाली पैर से लाचार दिव्यांग बुजुर्ग महिला कला बाई गायरी भी जमीन पर लोटते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पुश्तैनी पट्टे पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बन रहा है। सरकारी ड्रोन सर्वे की लापरवाही के कारण ऑनलाइन नक्शे में उनका मकान किसी दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज हो गया है, जिसका फायदा उठाकर दबंग लोग उनका निर्माण कार्य रुकवा रहे हैं। दोनों ही मामलों में नायब तहसीलदार ने तुरंत हस्तक्षेप किया और महिलाओं को उचित जांच का आश्वासन दिया। इसके अलावा मनासा क्षेत्र से भी दो बड़े मामले सामने आए। ग्राम चुकनी के पाटीदार समाज के 40 से अधिक लोगों ने जनसुनवाई में शिकायत की कि समाज के ही कुछ लोग सर्वे नंबर 132 की करीब 2 करोड़ रुपये की कीमती सामाजिक जमीन पर अवैध कब्जा और मनमर्जी से निर्माण कर रहे हैं। समाज से लाखों की वसूली की गई पर कोई हिसाब नहीं दिया गया। इस मामले में पुलिस का समझौता फॉर्मूला भी फेल हो गया क्योंकि समाज के 61 सदस्यों ने लिखित समझौते पर साइन करने से साफ मना कर दिया।

6 खिलोना हेलीकॉप्टर की माला पहन कलेक्ट्रेट पहुंचा किसान:अधिकारियों से हवा में उड़ने का साधन मांगा, रास्ता बंद होने से परेशान

नीमच। मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में एक अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। जीरन तहसील के ग्राम पालसोड़ा निवासी एक किसान अपने गले में प्लास्टिक के छह हेलीकॉप्टर की माला पहनकर अधिकारियों के सामने पहुंचा। यह प्रदर्शन खेत के रास्ते को लेकर था, जो कथित तौर पर कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा बंद कर दिया गया है।

पीड़ित किसान रमेशचंद्र शर्मा और रामलाल शर्मा ने बताया कि उनके खेत पर जाने का वर्षों पुराना रास्ता गांव के कुछ रसूखदार लोगों ने कंटीले तारों से बंद कर दिया है। इस कारण उनकी खेती-किसानी का काम पूरी तरह ठप हो गया है और वे अपने खेत तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

किसानों ने प्रशासन पर तंज कसते हुए कहा कि जब सरकारी अमला उनकी जमीन तक जाने का रास्ता नहीं खुलवा पा रहा है, तो उन्हें हवा में उड़कर जाने के लिए हेलीकॉप्टर ही दिला दिया जाए। इसी मांग को लेकर वे कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। इस रास्ते के विवाद को लेकर पीड़ित पक्ष को उच्च न्यायालय से भी अपने पक्ष में आदेश मिल चुका है। कोर्ट के आदेश का पालन कराने के लिए प्रशासन ने एक दल भी गठित किया था, जिसे 10 जुलाई को मौका मुआयना कर रास्ता बहाल करवाना था। हालांकि, किसानों का आरोप है कि प्रशासनिक कार्रवाई से पहले ही 7 जुलाई को विपक्षी अमृतलाल पाटीदार, प्रदीप पाटीदार और तुलसीबाई ने दोबारा पक्की तार फेंसिंग कर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया। राजस्व अमले से शिकायत के बाद भी सुनवाई न होने पर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

कलेक्ट्रेट परिसर में हुए इस प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने पीड़ित किसानों से आवेदन लिया और पूरे घटनाक्रम की जांच कर जल्द से जल्द नियमानुसार उचित वैधानिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

भादवामाता में रावत मीणा समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह

150 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नीमच । रावत मीणा समाज द्वारा रविवार को भादवामाता स्थित समाज की धर्मशाला में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 150 मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल बैग, शील्ड, मेडल, पेन तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बेलपत्र का पौधा भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और संस्कारों के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक सम्मानित विद्यार्थी को बेलपत्र का पौधा प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री डॉ. बी.एल. रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीसिंह रावत, प्रदेश महामंत्री प्रीतम सिंह रावत (सबलगढ़), प्रदेश सचिव राजकुमार मीणा, जिला अध्यक्ष बापूलाल जी, महिला जिला अध्यक्ष ऊर्मी रावत, जनपद सदस्य राजाराम रावत (कराड़िया), पूर्व जिला अध्यक्ष डुगरजी रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश जी अकेपुर, जिला उपाध्यक्ष मुकेश जी कचोली, जिला महामंत्री गोपाल जी, सरपंच रूपनारायण, सरपंच केशरलाल (डोडिया मीणा), दुलीचंद जी (नीमच), देवकिशन जी (गागनियाखेड़ी), घनश्याम जी (नरसिंहपुरा), भेरूलाल जी, मन्नालाल जी (धामनिया), मंडल अध्यक्ष मदनलाल जी, कारूलाल जी (चचोर), मंगल काका (मनासा), कोषाध्यक्ष सहित समाज के अनेक पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पिकअप में भरा 67 लाख का डोडाचूरा पकड़ाया : सिंगोरी में तस्कर युवक गिरफ्तार,

सिंगोली पुलिस ने 450.800 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा पकड़ा। पुलिस ने रविवार रात घेराबंदी कर राजस्थान के एक तस्कर को गिरफ्तार किया और गाड़ी की जब्त कर ली। डोडाचूरा की कीमत 67 लाख 62 हजार है। सोमवार को थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने सिंगोली-कांस्या मुख्य रास्ते पर तिलस्वां घाट के नीचे पहले मोड़ पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान सिंगोली की तरफ से आ रही एक पिकअप गाड़ी (RJ 42 GA 4006) को रोकने का इशारा किया गया। पुलिस को सामने देख ड्राइवर ने गाड़ी मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। जब गाड़ी की तलाशी ली गई, तो उसमें से 28 काले प्लास्टिक के बोरे मिले, जिनमें कुल 450.800 किलोग्राम डोडाचूरा भरा हुआ था।

राजस्थान का रहने वाला है आरोपी, पूछताछ जारी – पकड़े गए आरोपी की पहचान 37 वर्षीय जसराज (पिता बन्नालाल घासल जाट) के रूप में हुई है। वह राजस्थान के अजमेर जिले की अराई तहसील के ग्राम जीरोता (थाना बोराडा) का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह यह नशीला पदार्थ कहां से लेकर आया था और इसे किसे सप्लाई करने जा रहा था। इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा रहा है।

RBS GROUP OF INSTITUTION
कॉलेज केम्पस : हर्कियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड़, नीमच (म.प्र.)
Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502
NURSING (नर्सिंग) | MGMT & COMMERC | Computer & IT | SOCIAL WORK | PHARMACY
GNM (नर्सिंग) BBA BCA MSW D. PHARMA
B.Sc. (नर्सिंग) MBA B.Sc. (cs)
M.Sc. (नर्सिंग) B.Com (plain) DCA EDUCATION
P.B. B.Sc. (नर्सिंग) B.Com. (Compu.) PGDCA D.Ed B.Ed
SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव। 1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

RRM Group of Institution
Radhadevi Ramchandra Mangal Group of Institutions
100% Placement | Bus Facility Available
Courses Offered -
BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW
Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392

श्री देव वेल्डिंग वर्कस
आवश्यकता है
वर्कशॉप पर काम करने के लिए
वेल्डर, फिटर और हेल्पर
की तुरंत आवश्यकता है
संपर्क करें:
मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630
पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच
पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

GYANODAYA UNIVERSITY & GROUP OF INSTITUTES NEEMUCH (M.P.)
27,000+ Alumni | CELEBRATING 24 years
Admission Announcement 2026-27
A Leading & Premier University in the Serenity of Neemuch
Vibrant Campus Life with 9000+ Currently Enrolled Students
Highest Package ₹12.75 Lac
730 Placement Offers For Graduates of 2026 as on 5th April 2026
Average Package ₹4.75 Lac
220+ Recruitment Partners
Courses Offered
Pharmacy: D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm
Nursing: B.Sc. Nursing, GNM Nursing, Post Basic Nur.
Management: BBA, MBA, B.Com, M.Com
Engineering: B.Tech (CSE, Elect., Mech, Civil,Fire & Safety), M.Tech (CSE/IEM/ Energy Tech)
Comp. Science: BCA, MCA, B.Sc.(CS), M.Sc.(CS), DCA/PGDCA
Paramedical: BPT, BMLT, DMLT, OT/X-Ray
Agriculture: B.Sc.(Ag), M.Sc. (Agronomy) (Horticulture)
Education: B.Ed., D.Ed., BA B.Ed.*, B.Sc. B.Ed*
Polytechnic: Electrical, Mechanical, Civil, Comp. Sci.
ITI: Electrician, Fitter, COPA
Science: B.Sc. (PCMBZ/Biotech/ Microbio/CS), M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/ Physics/Bio.)
Social Work: BSW, MSW
Lib. Science: B.Lib., M.Lib.
Art & Humanities: BA (Plain/ Journalism & mass communication), MA (Hindi/Eng./Psyco./Sociology Political Sci./Eco./Education)
Hotel Mgmt: BHMCT, Hotel Mgmt
Hospital Mgmt: MBA in Hospital & Health Care Management
Ph.D: All Subjects
Diploma Courses: YOGA | Beauty & Wellness, Diet. & Nut.| Fitness Mgmt
For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.) Call: 9827550959, 7771001344
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...
INTRODUCING KNIGHT+
#BuiltToPerform
RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES
Admission Open 2025-26
धर्मेश तिवारी Director
निरंजन (राजू) तिवारी पूर्व अध्यक्ष - कृषि उपज मंडी समिति, नीमच
MBA 2 Year | B.Pharma 4Year | D.Pharma 2 Year
B.Ed. 2 Year | D.Ed./STC 2 Year | B.Sc. B.Ed. 4 Year | B.A. B.Ed. 4 Year
Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P)
8817326635, 8109927774 shrisrcollege collegesr90@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।